

कांगड़ी नामनिक सुन्दर लक्ष्मी राजभाषा विभाग, झारखण्ड राज्य के प्रति १५.११.२०११
-१९-११/०४-६१-५६८२ दिनांक-२२ अक्टूबर, २००८ का १०००७ दिनों से २३ अप्रैल २०१२ तक

संलग्न - 1103/15

पृष्ठ- १८

दिनांक - १३/६/१५

कामरुपी दिल्ली चला

आरखण्ड सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने के लिए वायरल
पिछड़ा वा. पिछड़ा वर्ष द्वारा प्रस्तृत किया जाने वाला खाता प्रताण पूर्व
अं० ४० मौद्दा द्वारा निर्गत ४० पर्श-१६५९, दि०-१५६१५ अप्र०
प्रमाणित किया जाता है। इसी भीषणी कुप्री वाल कुराण भाद्र

पत्र संख्या अमृता का प्रसाद याकूब नाम राहे दिंदरामडी

थाना मोहतपुर जिला रुद्रपूर झारखण्ड के पश्चिम प्रदेश में रहने वाली है। जो झारखण्ड के एवं सेवाओं की वित्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए) अधिनियम-2001 की धारा-2 के अन्तर्गत अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-1 में विवरित पिछड़ा वर्ग (अनुसूची-2) के अधीन के अन्तर्गत अत्यन्त पिछड़ा वर्ग / पिछड़ा वर्ग के रूप में वर्णिता दापत

समाल समुदाय से जाते/आती हैं।

इन भी प्रमाणित किया जाता है कि वे कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा नियम के मुकाबले ग्रन्थ-3432 दिनांक- 10.06.2002 द्वारा अग्रीकृत कार्मिक तथा चरिक्षण विभाग भारत सरकार के काशीलय जापन संचय-36012 / 12 / 93-स्थान (एस.सी.टी) दिनांक- 08.09.1993 की अनुदृती के सन्दर्भ-3 में लिखित जाकर उन्हें देखा जाएगा।

स्थान :- देवधर

दिनांक - १७/६/१५



राजन पदावेकारे का इस्ताहर

अनुयंडल पदाधिकारी
प्रेषण

१८/८/६१५

Digitized by srujanika@gmail.com

卷之三